हिन्दू कहूँ तो मैं नहीं, मुसलमान भी नाहिं।
पाँच तत्त्व का पूतरा, गैबी खेलै माँहिं।।

मानुष तेरा गुण बड़ा, माँसु न आवै काज।
हाड़ न होते आभरण, त्वचा न बाजन बाज।।

ऐसी बानी बोलिये, मन का आपा खोय।
औरन को शीतल करे, आपहु शीतल होय।।

जहाँ दया तहँ धर्म है, जहाँ लोभ तहँ पाप।
जहाँ क्रोध तहँ काल है, जहाँ क्षमा तहँ आप।।

धन रहे न जोबन रहे, रहे गांव न ठाम।
कबीर जग में जस रहे, कर दे किसी का काम।।

मन मक्का दिल द्वारका, काया काशी जान।
दस द्वारे का पिंजरा, तामें ज्योति पिछान।।

काशी काबा एक है, एकै राम रहीम।
मैदा एक पकवान बहु, बैठ कबीरा जीम।।

सब काहू का लीजिए, साँचा शब्द निहार।
पक्षपात न कीजिये, कहैं कबीर विचार।।

साँच बराबर तप नहीं, झूठ बराबर पाप।
जाके हृदया साँच है, ताके हृदया आप।।

कबीर यह संसार है, जैसा सेमल फूल।
दिन दस के व्यवहार में, झूठे रंग न भूल।।

दया राखि धरम को पाले, जग से रहै उदासी।
अपना सा जीव सबका जाने, ताहि मिले अविनाशी।।

जो तू आया जगत में, तो ऐसा करि लेय।
कर साहेब की बंदगी, भूखे को कछु देय।।

सद्गुरवे नमः

# कबीर पारख संस्थान

**प्रीतम नगर, प्रयागराज-221011**

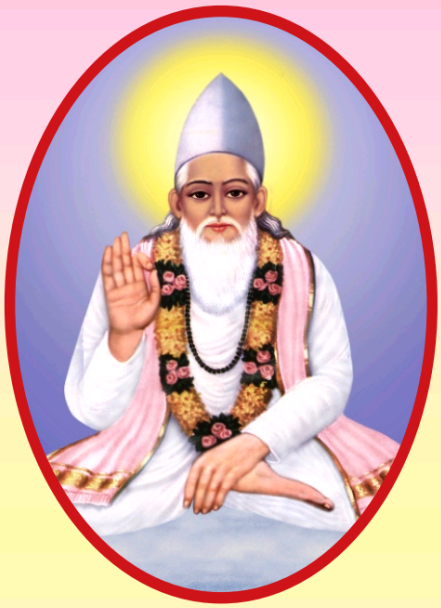

## छियालीसवां
## वार्षिक अधिवेशन
## एवं
## सत्संग समारोह

**26,27,28 अक्टूबर 2023**

**कुवार सुदी त्रयोदशी, चतुर्दशी, पूर्णिमा**

मान्यवर/प्रिय बन्धु,

कबीर मानव विकास के प्रकाशस्तंभ हैं, साथ ही मानव एकता का अनूठा संगम भी। उनके जीवन का हर पार्श्व अपने में सम्पूर्ण और ज्योतिर्मय है। उनकी दृष्टि में पवित्र भावना के किया गया हर कर्म पूजा है। उनका संदेश है तन से कर्मपरायण होना, किन्तु मन से आत्मपरायण होना। उनकी वाणियां मानव मात्र को निष्पक्षतापूर्वक सत्य को समझने एवं आचरित करने को प्रेरित करती हैं और प्रेरित करती हैं समतापूर्वक जीवन जीते हुए आत्मलीन होने को, जिसका फल परमानंद और परम शांति है।

'कबीर की वाणी आने वाले हिन्दुस्तान का सपना है, जिसमें दुनियादारी और दुनिया का त्याग, आध्यात्मिक और आत्मिक जीवन का खूबसूरत संगम बनने वाला है।' यह स्वर सभी निष्पक्ष विचारकों का है।

मानवीय एकता के उद्घोषक, स्वतंत्रप्रज्ञ संत शिरोमणि कबीर साहेब की वाणी से प्रेरणा प्राप्त कर मानव जीवन को समुज्ज्वल बनाने तथा सुंदर समाज संरचना के उद्देश्य से कबीर पारख संस्थान, प्रयागराज के वार्षिक अधिवेशन तथा सद्गुरु श्री अभिलाष साहेब जी स्मृति दिवस के अवसर पर कबीर-वाणी के परिप्रेक्ष्य में बृहत् सत्संग समारोह एवं भजनों का कार्यक्रम रखा गया है।

निवेदन है कि सत्संग समारोह में अपने परिजनों एवं मित्रों सहित पधारकर संत शिरोमणि कबीर साहेब की अमर वाणियों से प्रेरणा पाप्त करें तथा मानव एकता एवं सुंदर समाज रचना के पुनीत कार्य में सहभागी बनें।

सविनय
कबीर संस्थान परिवार

निवेदक
संत समाज

कार्यक्रम स्थल
**कबीर आश्रम**
कबीर नगर, प्रयागराज
दूरभाष : 9451059832, 9506907598

# कार्यक्रम

**26 अक्टूबर 2023, गुरुवार**
प्रातः—
8.00 बजे से 9.30 बजे — बीजक पाठ, भजन
9.30 बजे से 12.00 बजे — सत्संग-प्रवचन

सायं—
4.00 बजे से 8.00 बजे—भजन, सत्संग-प्रवचन

**27 अक्टूबर 2023, शुक्रवार**
प्रातः—
8.00 बजे से 9.30 बजे — बीजक पाठ, भजन
9.30 बजे से 12.00 बजे — सत्संग-प्रवचन

सायं—
4.00 बजे से 8.00 बजे—भजन, सत्संग-प्रवचन

**28 अक्टूबर 2023, शनिवार**
प्रातः—
8.00 बजे से 11.30 बजे — बीजक पाठ, भजन
सत्संग-प्रवचन एवं गुरूपूजा

सायं—
4.00 बजे से 8.00 बजे—भजन, सत्संग-प्रवचन

सम्पर्क सूत्र
**कबीर मंदिर**
प्रीतम नगर, प्रयागराज
दूरभाष : 9451369965, 9506927615